MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

February, 2021

MES-012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Describe the different sources of knowledge or 'Pramanas' according to Indian philosophy.

OR

Differentiate between the aims of education as propounded by the Buddhist and Jain philosophies of education.

2. Answer the following question in about 600 words :

Describe the process of curriculum development, highlighting the tasks involved at each stage.

OR

What do you mean by Discipline ? Justify education as a multi-disciplinary field of study.

3. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) "Education is a process of developing a desirable state of mind." Explain.

(b) Differentiate between the concepts of formal, informal and non-formal education.

(c) Discuss the aims of education according to the Upanishads.

(d) Discuss the main features of the learner-centred approach to curriculum design.

(e) Briefly explain the important aspects of the philosophy of 'Existentialism'.

(f) Describe the Jain theory of judgement as one of common sense realism and pluralism.

4. Answer the following question in about 600 words :

Critically analyse the curricular philosophy of Gandhiji that resulted in the scheme of Basic Education. Discuss its relevance in the present Indian education system.

शिक्षा में परास्नातक
एम.ए. (शिक्षा)
सत्रांत परीक्षा
फरवरी, 2021

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारतीय दर्शन के अनुसार ज्ञान या 'प्रमाण' के विभिन्न स्रोतों का वर्णन कीजिए ।

अथवा

बौद्ध तथा जैन शिक्षा दर्शन द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के लक्ष्यों में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया का वर्णन इसके प्रत्येक चरण में सम्मिलित कार्यों को आलोकित करते हुए कीजिए ।

अथवा

शास्त्र से आप क्या समझते हैं ? शिक्षा का अध्ययन के बहु-शास्त्रीय क्षेत्र के रूप में औचित्य बताइए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) "शिक्षा मस्तिष्क (मन) की वांछित अवस्था के विकास की एक प्रक्रिया है ।" व्याख्या कीजिए ।

(ख) औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की अवधारणाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) उपनिषदों के अनुसार शिक्षा के लक्ष्यों की चर्चा कीजिए ।

(घ) पाठ्यचर्या आयोजन के शिक्षार्थी-केन्द्रित उपागम की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

(ङ) 'अस्तित्ववाद' के दर्शन के महत्त्वपूर्ण पक्षों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ।

(च) सामान्य प्रत्यक्षण यथार्थवाद तथा बहुलतावाद के रूप में जैन के न्याय सिद्धांत का वर्णन कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
बुनियादी शिक्षा योजना में परिणामित गाँधीजी के पाठ्यचर्यागत दर्शन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए । वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए ।